नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), उत्तरी दिल्ली की समन्वय समिति की दिनांक 23 फरवरी, 2026 की बैठक के कार्यवृत्त

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), उत्तरी दिल्ली की समन्वय समिति की दिनांक **23 फरवरी, 2026** को पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण के समिति कक्ष में एक बैठक आयोजित की गयी, जिसमें निम्न अधिकारियों द्वारा भाग लिया गया;

1. **श्री जय नारायण उपाध्याय,** वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, दिल्ली।
2. **श्री अशोक कुमार,** सहायक निदेशक (राजभाषा), रक्षा मनोवैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली।
3. **श्रीमती भारती चौहान,** सहायक निदेशक(राजभाषा), अग्नि विस्फोटक एवं पर्यावरण सुरक्षा केंद्र, दिल्ली।
4. **श्री बनवारी लाल,** वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, नाभिकीय औषधि तथा सम्बन्ध विज्ञान संस्थान, दिल्ली।
5. **श्रीमती सरिता शर्मा,** सहायक कमांडेट (राजभाषा), कार्यालय पुलिस महा-निरीक्षक, कोबरा सेक्टर मुख्यालय, नई दिल्ली।
6. **डॉ. डी. एस. पिलानिया,** सदस्य सचिव, नराकास, पौधा किस्म परीक्षक एवं प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ), पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार, नई दिल्ली।

डॉ. डी. एस. पिलानिया, सदस्य सचिव, नराकास, पौधा किस्म परीक्षक एवं प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ), पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा समन्वय समिति के सदस्यों का स्वागत किया गया तथा सभी सदस्यों को मद जो विचार विमर्श किए जाने है की जानकारी दी गयी।

बैठक में निम्नलिखित बिन्दुओं पर चर्चा और विचार विमर्श किया गया तथा निर्णय लिया गया जो निम्न प्रकार है:

1. दिनांक 27/01/2026 की बैठक की कार्यवृत को प्रभावी रूप से लागू किया गया।

2. नराकास (उत्तरी दिल्ली) के सदस्य कार्यालयों की संख्या 72 से 40 करने पर विचार विमर्श किया गया और 40 कार्यालयों की अंतिम सूची तैयार की गई है जिसे गृहमंत्रालय को अग्रिम कार्यवाही के लिए भेजा जाए।

3. नराकास (उत्तरी दिल्ली) की आगामी छमाही बैठक जून, 2026 के पहले सप्ताह में प्रस्तावित।

4. समन्वय समिति द्वारा सुझाव दिया गया कि समन्वय समिति के कई सदस्य व्यस्तता के कारण समिति को समय नहीं दे पा रहे व समन्वय समिति की आंतरिक बैठक में उपस्थित नहीं हो रहे है। इसलिए समिति का पुनर्गठन किया जाए तथा जिसमे केंद्रीय विद्यालयों से भी 2 सदस्य समन्वय समिति में सम्मिलित किए जाए।

5. सभी सदस्यों तथा अध्यक्ष, हिंदी पत्रिका समिति की तरफ सुझाव आया कि हिंदी की पत्रिका के लिए बनायीं गई समिति में दो और नये सदस्य भी सम्मिलित कर समिति का पुनर्गठन किया जाए।

6. समन्वय समिति द्वारा सुझाव दिया गया की सभी सदस्य कार्यालयों के साथ एक संयुक्त कार्यशाला अप्रैल-मई में आयोजित की जा सकती है जिसमें तिमाही रिपोर्ट भरना, कार्यालयों में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए सुझाव तथा संसदीय समिति द्वारा निरीक्षण प्रश्नावली पर विचार किया जा सकता है।

डॉ. डी. एस. पिलानिया, सदस्य सचिव, नराकास (उत्तरी दिल्ली) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त की गयी।